Dr M.K. Jha.
Dept of Sociology
V.S.J college, Rajnagar



B.A part-II, paper-III
Indian Society

Question- आधुनिकीकरण की अवधारणा एवं विशेषताओं की विवेचना करें।

Answer- आधुनिकीकरण एक जटिल संरचनात्मक परिवर्तन का नाम है जिसमें परम्परागत मूल्यों एवं विशेषताओं में परिवर्तन स्पष्ट होता है। आधुनिकीकरण में जीवन के आर्थिक राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, वैचारिक एवं धार्मिक पक्षों रूपान्तरण होता है अर्थात जब परम्पराओं के अन्तर्गत परिवर्तन सम-विकास के रूप में न होकर विषम विकास के रूप में होता है तो इस स्थिति व प्रक्रिया को आधुनिकीकरण कहते हैं।

आधुनिकीकरण एक तुलनात्मक दशा है जिसमें परम्परागत समाज के जीवन विधि, विश्वास, प्रथा एवं धार्मिक नियमों एवं व्यवहारों में रूपान्तर लाया जाता है अर्थात आधुनिकीकरण के कारण धार्मिक विश्वास की जगह वैज्ञानिक दृष्टिकोण में वृद्धि होती है, धार्मिक कट्टरता की जगह धर्मनिरपेक्षता का महत्व बढ़ता है, इस प्रकार कुटीर उद्योगों की जगह औद्योगिकता विकास होता है। परम्परागत विश्वास एवं मनोवृतियों में तर्क का स्थान दिया जाता है समय के अनुसार उपयोगी मूल्यों-व्यवहार को अपनाया जाता है। आधुनिकीकरण में मानव विकास का परम्परागत इतिहास बदलने लगता है।

Scanned with Cam

Dr Yogendra Singh के अनुसार
"Modernization as a form of cultural response, involves attributes which are basically universalistic and evolutionary they are pan-humanistic, transethnic and non-ideological."

अर्थात आधुनिकीकरण सांस्कृतिक व्यवहारों का एक विशेष रूप है जिसमें सार्वभौमिकता और विकासवादी लक्षणों का समावेश होता है। यह लक्षण मानवतावाद से सम्बन्धित होने के साथ ही संजातीयता और किसी विशेष विचारधारा से पृथक होते हैं।

S.C. Dube के अनुसार
आधुनिकीकरण परिवर्तन का एक विशेष रूप है जिसमें संरचना, मूल्यों तथा सामाजिक व्यवहार की प्रेरणाओं का रूप तार्किक व्यवहारों, सामाजिक समानताओं और गतिशीलता पर आधारित होता है। अतएव आधुनिकीकरण के कारण तर्कपूर्ण व्यवहार, प्रकृति-भूमिका पर आधारित व्यवहार, समाज में शिक्षा-प्रसार एवं समानता में वृद्धि होती है।

अतएव, आधुनिकीकरण एक फैशन या पाश्चिमी ढंग नहीं है। आधुनिकीकरण वैयक्तिक स्वतंत्रता, सामाजिक समानता प्रौद्योगिक विकास, वैज्ञानिक शिक्षा, तार्किक विचार तथा सामाजिक गतिशीलता है जो सामाजिक जीवन में सदैव एक नवीन संरचना तथा व्यवहार प्रतिमानों को जन्म देती है।

Scanned with Cam

आधुनिकीकरण के विशेषताएँ- आधुनिकीकरण एक प्रक्रिया है इनकी निम्न विशेषताएँ मान्य हैं:-

1. लौकिक मूल्यों का महत्व:- आधुनिकीकरण में पारलौकिक मूल्यों का स्थान में लौकिक एवं सांसारिक मूल्यों का महत्व दिया जाता है। कर्म एवं प्रयत्न द्वारा सफलता का प्रयास किया जाता है।

2. प्रौद्योगिक विकास:- प्रौद्योगिक विकास आधुनिकीकरण का अनिवार्य आधार है। आधुनिकीकरण औद्योगिक विकास, उत्पादन, कृषि के नये विधियाँ संचार के उन्नत साधनों एवं नये आविष्कार पर बल देता है और सामाजिक आवश्यकता की पूर्ति कर नये दिशा का निर्माण करता है।

3. गतिशीलता में वृद्धि:- आधुनिकीकरण के कारण एक गतिशील समाज का निर्माण होता है जिसमें तर्क और विवेक से व्यवहार किया जाता है। गतिशीलता के कारण योग्यता एवं कुशलता पर खुला सामाजिक व्यवस्था का निर्माण होता है।

4. परिवर्तन में रुचि: आधुनिकीकरण के कारण नये मूल्यों, नये-व्यवहार और उपयोगी साधनों का विकास होता है जो नवीन जीवन शैली बन जाता है जिसके प्रति व्यक्तियों का लगाव बढ़ता है जो एक नवीन विचारधारा के रूप में स्वीकार किया जाता है।

5. व्यक्तिगत आकांक्षाओं को मान्यता:- आधुनिकीकरण एक महत्वाकांक्षी प्रेरणा है जिससे व्यक्तियों में परिश्रमी, योग्य, साहसी और प्रभावी बनने की ललक आती है जिससे नवीन आविष्कार एवं नये विधि का जन्म होता है।

6. नगरीकरण में वृद्धि - नगरीकरण एक जीवन शैली का नाम है। आधुनिकता के कारण ग्रामीण क्षेत्र का नगरीय क्षेत्र में बदलता है। नगरीय जीवन एवं ग्रामीण जीवन में सम्पर्क का प्रभाव पड़ता है फलत गाँव में आधुनिकीकरण प्रभाव पड़ने लगता है।

7. लोकतान्त्रिक नेतृत्व का विकास :- आधुनिकीकरण के कारण समाज में सामाजिक समानता, विचारों की स्वतंत्रता, सामाजिक जागरूकता द्वारा राजनीतिक सहभागिता का विकास हुआ है।

8. समाज सुधार - आधुनिकीकरण के कारण समझदारी में परिवर्तन हुआ है बाल-विवाह, दहेज-प्रथा, स्त्रियों के उत्पीड़न के लिए सामाजिक सुधार कानून एवं विचारधारा द्वारा किया जा रहा है।

अतएव, आधुनिकीकरण समाज में परम्परागत प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण सामाजिक संरचनात्मक प्रक्रिया है।